
मनसा सेवा - 93

अव्यक्त बापदादा :- (28/03/2002)

» _ » डबल फारेनर्स को एक सेकण्ड में कोई भी व्यर्थ बात, कोई भी निगेटिव बात, कोई भी बीती बात, उसको मन से बिन्दी लगाना आता है? डबल फारेनर्स जो समझते हैं कि कैसी भी बीती हुई बात, अच्छी बात तो भूलनी है ही नहीं, भूलनी तो व्यर्थ बातें ही होती हैं। तो कोई भी बात जिसको भूलने चाहते हैं, उसको सेकण्ड में बिन्दी लगा सकते हैं? जो फारेनर्स लगा सकते हैं वह सीधा, लम्बा हाथ उठाओ। मुबारक हो। अच्छा, जो समझते हैं कि एक सेकण्ड में नहीं एक घण्टा तो लगेगा ही? सेकण्ड तो बहुत थोड़ा है ना एक धण्टे के बाद बिन्दी लग सकती है, वह हाथ उठाओ। जो घण्टे में बिन्दी लगा सकते हैं, वह हाथ उठाओ। देखा, फारेनर्स तो बहुत अच्छे हैं। भारतवासी भी जो समझते हैं एक घण्टे में नहीं, आधे दिन में लग सकती हैं, वह हाथ उठाओ। (कोई कोई ने उठाया) है तो सही, बापदादा को पता है।

» _ » बापदादा तो देखता रहता है, हाथ नहीं उठाते, लेकिन लगता है। लेकिन समझो आधा दिन लगे, एक घण्टा लगे और आपको एडवांस पार्टी का निमन्त्रण आ जाए तो? तो क्या रिजल्ट होगी? अन्त मते सो गति क्या होगी? समझदार तो हो ना? इसलिए अपनी मनसा को बिज़ी रखेंगे ना, **मनसा सेवा का टाइमटेबुल बनायेंगे अपना तो बिन्दी लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।** बस, होंगे ही बिन्दी रूप।

» _ » इसलिए अभी अपने मन का टाइमटेबुल फिक्स करो। मन को सदा बिज़ी रखो, खाली नहीं रखी। फिर मेहनत करनी पड़ती है। ऊँचे ते ऊँचे भगवन के बच्चे हो, तो आपका तो एक एक सेकण्ड का टाइमटेबुल फिक्स होना चाहिए। क्यों नहीं बिन्दी लगती, उसका कारण क्या? ब्रेक पावरफुल नहीं है। शक्तियों का स्टॉक जमा जमा नहीं है इसीलिए सेकण्ड में स्टॉप नहीं कर सकते।

»» बिंदी लगाना है...

» _ » व्यर्थ को

» _ » नेगेटिव को

» _ » बीती को

→ अतीत और भविष्य का अस्तित्व ही नहीं है...

■ अस्तित्व केवल वर्तमान का है...

»» पास्ट कितना ही अच्छा हो,

» _ » उसमे रमन करना अर्थात

→ वर्तमान से दूर रहना

»» अतीत की दर्दनाक घटनाओं का भी वर्तमान में कोई अस्तित्व नहीं है...

■ अतीत में जो भी भूल, गलती हुई

► उनका पश्चाताप करके बहर निकलना है...

► उसमे रमन नहीं करना है...

➤➤ वर्तमान में जो अविरल अमृत धारा बह रही है...

➤➤_ ➤➤ उसे छोड़ अतीत में जीना ठीक नहीं...

→ अवस्था सदा एकरस नहीं होती...

■ व्यक्ति जब जब ज्ञान को भूलेगा, गलतियाँ होंगी...

► जो हुआ है, उससे सीखना है...

► और आगे बढ़ जाना है...

► उसमे ज्यादा समय नहीं लगाना है...

➤➤ स्वयम को बिजी कर दो

➤➤_ ➤➤ कि व्यर्थ के लिए समय ही न रहे...

➤➤_ ➤➤ हर पल जागरण की अवस्था हो...

→ जागरण की अवस्था से जब व्यक्ति नीचे आता है तब गलतियाँ होती हैं...

■ रचनात्मक, सृजनात्मक कार्य देखना होगा, जिसमे मन बिजी हो जाए...

► बीच बीच में जो समय व्यर्थ में जा रहा है...

► उसे जमा करना होगा...

► फिर कोई समय की कमी नहीं रहेगी...

► समय की चोरी करनी है...

► और यह समय ज्ञान के मनन, अध्ययन, योग में लगाना है...

➤➤ हम , पर कितना व्यर्थ लिखते हैं...

➤➤_ ➤➤ जितना बड़ा मेसेज, उतना ही व्यर्थ है...

→ लिखना है तो ज्ञान की बातें लिखें...

■ संकल्प आये तो आने दो... उनको कर्म में मत लाओ...

► अभी ये बात किसी को बताये, सुनाये...

► कुछ भी नहीं है...

► ये आवेग व्यर्थ, नेगेटिव को जन्म देता है...

► बिना सोचे, तुरंत उत्तर देना नेगेटिव, व्यर्थ को बढ़ाता है...

➤➤ मन का टाइम टेबल बनाना है...

➡_ ➡ स्थूल और सूक्ष्म दोनों टाइम टेबल बनाना है...

→ पहले से पढ़ेंगे तो ज्ञान अच्छे से समझ आएगा...

■ ज्ञान के लिए दिनचर्या में समय निकालना होगा...

▶ उसके लिए व्यर्थ का त्याग करना होगा...

▶ हर कर्म के साथ एक स्वमान जोड़ देना है...

➤➤ नयी ड्रिल नये अभ्यास करने हैं...

➤➤ New drill generates new energy.

➡_ ➡ क्या हम नया अभ्यास कर रहे हैं या वही वही अभ्यास कर रहे हैं...

→ नई स्पिरिचुअल ड्रिल जब तक नहीं होगी, नई ऊर्जा तब तक नहीं आएगी...

■ हर दिन नया हो...

▶ नयी चर्चा

▶ नया मंथन

▶ नयी ड्रिल

▶ नव चिन्तन

▶ नव अध्ययन

▶ नव भावना

→ जब तक नवीनता नहीं, जीवन मृत है...

→ सब कुछ नया हो...
